

प्रेषक

एम0एम0 सेमवाल,
अनु सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तरांचल जल विद्युत निगम लि0,
देहरादून।

ऊज अनुभाग-2,

देहरादून: दिनांक: 21 नवम्बर, 2008

विषय - वित्तीय वर्ष 2008-09 से सम्बन्धित ए0डी0बी0 के अन्तर्गत रखे गये प्राविधान के सापेक्ष धनराशि की माँग।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशक (वित्त) के पत्र संख्या: 381, दिनांक 30.09.2008 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मध्यमहेश्वर, कालीगंगा-1, कालीगंगा-11 एवं काल्दीगाड़ नामक ए0डी0बी0 सहायतित जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण हेतु ए0डी0बी0 से प्राप्त/प्राप्त होने वाले ऋण के सापेक्ष रु0 28,05,00,000.00 (रु0 अट्ठाईस करोड़ पांच लाख मात्र) की धनराशि को व्यय करने के लिए आपके निवर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण बिलों पर जिलाधिकारी के प्रतिहस्ताक्षर के उपरान्त ही किया जायेगा।
- 2- स्वीकृत की जा रही धनराशि में से जल विद्युत परियोजना मध्यमहेश्वर में रु0 9.70 करोड़, कालीगंगा-1 में रु0 7.62 करोड़, कालीगंगा-11 में रु0 6.73 करोड़ एवं काल्दीगाड़ में रु0 4.00 करोड़ का व्यय किया जायेगा। किसी भी स्थिति में इस धनराशि का अन्यत्र विचलन न किया जाय और साथ ही स्वीकृति के सापेक्ष कोई धनराशि किसी भी कारण से बचती है तो उसे तत्काल शासन को समर्पित की जायेगी।
- 3- स्वीकृत की जा रही धनराशि से सम्पादित कराये जाने वाले कार्यों के विस्तृत प्राक्कलन तैयार कर सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय। तदोपरान्त ही धनराशि का व्यय किया जायेगा।
- 4- उक्त धनराशि का दिनांक 31.03.2009 की तिथि तक व्यय करके योजनावार उपभोग प्रमाण पत्र एवं भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
- 5- स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष सम्बन्धित कार्यों को सम्पन्न करने तथा भुगतान करने हेतु सभी वित्तीय नियमों की परिपालना सुनिश्चित की जायेगी।
- 6- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली विषयक नियम एवं मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का पालन करते हुये व्यय किया जायेगा।



- 7- ए0डी0बी0 से ऋण की किश्तों का आहरण निर्धारित समय सारिणी अनुसार समय से कर लिया जायेगा तथा योजनाओं का क्रियान्वयन भी निर्धारित समय में पूर्ण किया जायेगा।
- 8- योजनाओं हेतु पूर्व में अवमुक्त धनराशि व वर्तमान में आवंटित की जा रही धनराशि योजना हेतु कुल स्वीकृत लागत के अन्तर्गत ही रहेगी।
- 9- अवमुक्त की जा रही धनराशि के सापेक्ष शीघ्र ही ए0डी0बी0 से प्रतिपूर्ति प्राप्त कर ली जाय।
- 10- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 21 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 6801-बिजली परियोजनाओं के लिए कर्ज-01-जल विद्युत उत्पादन-आयोजनागत-190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश-97-बाह्य सहायतित योजना-9701-जल विद्युत परियोजनाओं हेतु बाह्य सहायता (ए0डी0बी0)-30-निवेश/ऋण के नामें डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 834/XXVII(2)/2008, दिनांक 21 नवम्बर, 2008 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एन0एम0 सेमवाल)
अनु सचिव

संख्या: 2961 /1(2)/2008-04(3)/39/06, तदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
- 2- निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 4- कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5- वित्त अनुभाग-2
- 6- नियोजन विभाग।
- 7- सचिव, मुख्यमंत्री को मा0 मंत्र्यमंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।
- ✓ 8- प्रभारी, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
- 9- विशेष सेल, ऊर्जा।
- 10- चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एम0ओ0 (ए0डी0बी0)।
- 11- गार्ड फाईल हेतु।

(एन0एम0 सेमवाल)
अनु सचिव